

रिश्ते नहीं चीजें ज्यादा प्यारी, सालों की दोस्ती पर 'ब्रोकन चेयर' भारी

बरेली, अमृत विचार : एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार की शाम नाटक 'ब्रोकन चेयर' के नाम रही। इंसान मन में उठने वाले तूफान, भौतिक चीजों के प्रति उसका लगाव और मानवीय संबंधों की जटिलताओं को इस नाटक के जरिए उजागर किया गया। नाटक बताता है कि सालों की दोस्ती भी इंसान मामूली चीजों के लिए भूल जाता है।

नाटक की कहानी तीन पुराने दोस्तों रवि, अजीज और सुमित्रा के इर्द-गिर्द घूमती है। जिसमें टूटी हुई कुर्सी का पाया और बंद घड़ी को लेकर ये तीन दोस्त लड़ जाते हैं। यहां तक कि उनकी सालों की दोस्ती तक कोई मायने नहीं रखती। नाटक में इस



नाटक का मंचन करते कलाकार।

बात का चित्रण बेहद ख़ास अंदाज में किया गया है कि टूटी कुर्सी, उसका पाया और बंद घड़ी महज वस्तुएं नहीं, बल्कि इंसान के भीतर मौजूद मोह, स्वार्थ, स्मृतियों, असुरक्षाओं और अधिकारबोध की वजह हैं। रंगचक्र, प्रयागराज की ओर से नाटक का मंचन किया गया। इसे स्माइल चुनारा ने लिखा व उमा झुनझुनवाला ने हिंदी

• एसआरएमएस रिद्धिमा में नाटक ब्रोकन चेयर का हुआ मंचन

में अनुदित किया है। निर्देशन गौरव शर्मा ने किया। आयुष केसरवानी, श्वेता जायसवाल व हर्षित केसरवानी ने शानदार अभिनय किया। प्रोडक्शन कंट्रोलर के रूप में रवींद्र वर्मा, मंच निर्माण में सत्यम तिवारी व शिवम प्रताप सिंह ने जिम्मेदारी निभाई। संगीत संयोजन हेमंत सिंह ने दिया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋषा मूर्ति, उषा गुप्ता, देविशा, सुभाष मेहरा, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज सक्सेना, डा. शैलेश सक्सेना, डा. रीता शर्मा आदि मौजूद रहे।